राजस्व विभाग

युद्ध जागीर

दिनांक 8 दिसम्बर, 1988

कमांक 1242-ज (II)-88/44393 --श्री धारी राम, पुत्र श्री जवाहर, निवासी गांव बरसाना, तहसील दादरी, जिला भिवानी, को पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार श्रीधनियम, 1948 की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के प्रधीन सरकार की अधिसूचना कमांक 15727-जे०-एन०- III-66/18590, दिनांक 9 सितम्बर, 1966, द्वारा 100 रुपये वापिक और बाद में प्रशिद्धभूवना कमांक 5041-श्रार-III-70/29503, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970, द्वारा 150 रुपये भीर उसके बाद श्रीधसूचना कमांक 1789-ज-I-79/44040, दिनांक 30 अन्तूबर, 1979, द्वारा 150 रुपये से बढ़ाकर 300 रुपये वापिक की दर से जागीर मंजूर की गई थी।

2. प्रव श्री धारी राम को दिनां र 20 अप्रैल, 1988, की हुई मृत्यु के परिजाम स्वका, हरियाणा के राज्यपाल उपरोक्त अधिनियम (प्रैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है श्रीर उसमें अपन तक मंशोधन किया गया है) की धारा 4 के अधीन प्रदान की गई सक्तियों का प्रयोग करते हए, इस जागीर को श्री धारी राम की विधवा श्रीमती राम देई के नाम खरीफ, 1988 से 300 रुपये वाधिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत तबदील करते हैं।

क्रमांक 1243-ज-(2)-88/44403.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया हैं) की धारा 2(ए)(ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्रीमती चिमा विधवा, श्री रामजस, गांव मोरका, तहसील भिवानी, जिला भिवानी, को खरीफ, 1964 से रबी, 1970 तक 100 रु०, खरीफ 1970 से खरीफ, 1979 तक 150 रु० वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रु० वार्षिक सनद में दी गई शतों के अनुसार जागीर सहर्ष प्रदान करते हैं।

कमांक 1361-ज(II)-88/44407. —श्री निहाला राम, पुत्र श्री स्रमर सिंह निवासी, गांत्र सकना सिरसा खेड़ी, तहसील जीन्द, जिला जीन्द, को पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार स्रधिनियम, 1948, की घारा 2(v)(1v) तथा 3(1v) के प्रधीन सरकार की स्रधिसूचना कमांक 4359-र-III-67/3276, दिनांक 16 सितम्बर, 1967, द्वारा 100 रूपये वार्षिक और बाद में श्रिधसूचना कमांक 5041-स्रार-III-70/29505, 8 दिसम्बर, 1970, द्वारा 150 रुपये सौर उसके बाद सिस्युचना कमांक 1789-ज-I-79/44040, दिनांक 30 स्रक्तूबर, 1979, द्वारा 150 रुपये से बढ़ांकर 300 रुपये वार्षिक की दर से जागीर मंजूर की गई थी।

2. ग्रव श्री निहाला राम की दिनांक 16 नवस्वर, 1986, को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप, हरियाणा के राज्यपाल, उपरोक्त ग्रिक्षित्यम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में ग्रप्नाया गया है ग्रीर उसमें ग्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 के ग्रधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस जागीर को श्री निहाला राम की विधवा श्रीमती धनकौर के नाम खरीख, 1987 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के श्रन्तर्गत तबदील करते हैं।

कमांक 1287-ज-2-88/44416. —श्री स्थोचन्द, पुत्र श्री श्रमीलाल, निवासी गांव टाडाहेड़ी, तहसील बहादुरगढ़, जिला रोहतक को पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार ग्रधिनियम, 1948, की धारा 2(v) (1v) तथा 3(1v) के ग्रधीन सरकार की ग्रिक्षसूचना क्रमांक 148-ज-(11)-82/1002, दिनांक 23 मार्च, 1982, द्वारा 300 रुपए वार्षिक की दर से जागीर मंजूर की गई थी।

2. ग्रब श्री श्योचन्द की दिनांक 12 दिसम्बर, 1986, को हुई मृत्यू के परिणामस्वरूप, हरियाणा के राज्यपाल उपरोक्त मधिनियम (जैसा की उसे हरियाणा राष्य में ऋषनाया रथा है ग्रुर उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 के मधीन प्रदान दी गई शहितयों का प्रयोग करते हुए, इस जागीर को श्री श्योचन्द की विधवा श्रीमती भरती के नाम खरीफ, 1987 से 300 रपए वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के श्रातर्गत तबदील करते हैं।

कभांक 1285-ज([])-88/44422.-- पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार झिंधि नियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में भापनाया गया है और इस्में झाज तक समोधन विया गया है) की धारा १(ए) (ए) तथा १(ए) के अनुसार सींपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्रीमती धपली देवी, विधवा श्री राम रख, गांव कोसली, तहसील कोसली, जिला रोहतक, को रबी, 1980 से 300 रुपए वार्षिक सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

कमांक 1372-ज-II-88/44426.—श्री हरनारायण, पुत्र श्री जय चन्द्र, निवासी गांव बलाली, तहसील दादरी जिला भिवानी को पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार श्रिधिनियम, 1948, की धारा $2(\mathbb{Q})$ (1 \mathbb{Q}) तथा $3(1\mathbb{Q})$ के श्रिधीन सरकार की श्रिधसूचना कमांक 2300-ज-I-80/478, दिनांक 5 जनवरी, 1981, द्वारा 350 रुप \mathbb{Q} वार्षिक की दर से मंजूर की गई थी।

2. अब श्री हरनारायण की दिनांक 21 जून, 1986, को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप, हरियाणा के राज्यपाल, उपरोक्त श्रीधिनियम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस जागीर को श्री हरनारायण की विधवा श्रीमती सुन्दरी देवी के नाम रबी, 1987 से 350 रुपए वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तगँत तबदील करते हैं।

दिनांक 14 दिसम्बर, 1988

क्रमांक 1317-ज(I)-88/45180 — पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार श्रिधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2 (ए) (ए) तथा 3 (ए) के अनुसार सौंप गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री गुरनाम सिंह, पुन चानन सिंह, गांव हडवीन, तहसील नारायणगढ़, जिला अम्बाला, को रबी, 1977 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक सनद में दी गई शतीं के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

कमांक 1241-ज(2)-88/45184.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार श्रिष्ठितियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2 (ए) (ए) तथा 3 (ए) के अनुसार सौंप गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्रीमती मिसरी देवी, विधवा श्री राम पत, गांव खण्डोज्ञ, तहसील वावल, जिला महेन्द्रगढ़, को रवी, 1969 से रबी, 1970 तक 100 रुपये, खरीफ, 1970 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक सनद में दी गई शतों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

त्रमांक 1366-ज(II)-88/45188. —श्री प्यारे लाल, पुत्र श्री हरनाम सिंह, निवासी गांव गवालीसन, तहसील झज्जर, जिला रोहतक, को पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार ऋघिनियम, 1948, की घारा 2(0) (10) तथा 3(10) के ऋघीन सरकार की ऋधिसूचना क्रमांक 296 ज-II-84/8708, दिनांक 26 मार्च, 1984 द्वारा 300 रुपये वार्षिक की दर से जागीर मंजूर की गई थी ।

2. अब श्री प्यारे लाल की दिनांक 7 श्रगस्त, 1988 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप, हरियाणा के राज्यपाल उपरोक्त अधिनियम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस जागीर को श्री प्यारे लाल की विधवा श्रीमती छन्तों के नाम खरीफ, 1988 से 300 रुपये वाषिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत तबदील करते हैं।

ऋमांक 1299-ज(2)-88/45193.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार मिधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हिरियाणा राज्य में भापनाया गया है और उस में आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सींप गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए हिरियाणा के राज्यपाल श्री भरत सिंह, पुत्र श्री लाल चन्द, गांव डीघल, तहसील सजजर, जिला रोहतक, को खरीफ, 1976 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये बार्षिक सनद में दी गई शतों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

क्रमांक 1360-ज(II)-88/45253.—श्री रतन सिंह, पुत्र श्री गोरंधन, निवासी गांव करेला, तहसील जीन्द, जिला जीन्द, को पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार श्रीधिनयम, 1948 की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3 (1ए) के भ्राधीन सरकार की

ग्रियिसूचना क्रमांक 446-ज- Π -80/22244, दिनांक 1 जुलाई, 1988, द्वारा 100 रुपये वार्षिक भौर बाद में श्रियिसूचना क्रमांक 5041-म्रार- Π -70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970, द्वारा 150 रुपये भौर उसके बाद श्रियिसूचना क्रमांक 1789-ज- Π -19/44040, दिनांक 30 ग्रक्तूबर, 1979, द्वारा 150 रुपये से बढ़ा कर 300 रुपये वार्षिक की दर से जागीर मंजूर की गई थी।

2. ग्रब, श्री रतन सिंह की दिनांक 26 मार्च, 1988, को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल उपरोक्त ग्रिधिनियम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में ग्रपनाया गया है श्रीर उसमें ग्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 के ग्रिधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस जागीर को श्री रतन सिंह की विधवा श्रीमती जीवनी के नाम खरीफ, 1988 से 300 रुपये वाषिक की दर से सनद में दी गई शतों के ग्रन्तर्गत तबदील करते हैं।

कमांक 1389-ज-II-88/45265.—श्री श्री राम, पुत्र श्री राम शरण, निवासी गांव झोझु खुर्द, तहसील दादरी, जिला भिवानी, को पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार श्रिधिनियम, 1948, की धारा 2(v)(1v) तथा 3(1v) के श्रिधीण सरकार की श्रिधिसूचना कमांक 1793-ज-I-80/38820, दिनांक 3 नवभ्बर, 1980, द्वारा 100 रुपये वार्षिक श्रीर बाद में श्रिधिसूचना कमांक 5041-श्रार-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970, द्वारा 150 रुपये श्रीर उसके बाद श्रिधसूचना कमांक 1789-ज-I-79/44040, दिनांक 30 श्रक्तूबर, 1979 द्वारा 150 रुपये से बढ़ाकर 300 रुपये वार्षिक की दर से जागीर मंजूर की गई थी।

2. म्रब, श्री श्री राम की विनांक 14 ध्रगस्त, 1988, को हुई मृत्यु के पृरिणामस्वरूप, हरियाणा के राज्यपाल उपरोक्त ग्रीधिनियम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में ध्रथनाया गया है भौर उसमें भ्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 के भ्रधीन प्रदान की गई शवितयों का प्रयोग करते हुए, इस जागीर को श्री श्री राम की विधवा श्रीमती सरती देवी के नाम खरीफ, 1988 से 300 हपये वाधिक दर से सनद में दी गई शर्तों के श्रन्तर्गत तबदील करते हैं।

दिनांक 15 दिसम्बर, 1988

क्रमांक 1368-ज-(2)-88/45275.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार प्रधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में प्रपताया गया है और उसमें ग्राज तक संशोधन किया गया है) की घारा 2(ए) (ए) तथा 3(ए) के प्रनुसार सौंपे गये प्रधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री सही राम, पृत्न श्री परस राम, गांव चांग रोड़, तहसील दादरी, जिला भिवानी, को रबी, 1973 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक सनद में दी गई गती के प्रनसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

क्रमांक 1342-ज(2)-88/45279. —पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार मधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में मपनाया गया है भीर उसमें भाज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(ए) के अनुसार सींपे गये मधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री भल्ला सिंह, पुत्र श्री जेठा सिंह, गांव नसक्षोली, तहसील नारायणगढ़, जिला मम्बाला, को खरीफ, 1976 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 हाये वार्षिक सनद में दो गई मतौं के मनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

राज कुमार स्र<mark>रोड़ा,</mark> श्रवर सचिव, लेखा तथा जागीर, हरिणाया सरकार, राजस्व विभाग ।

EDUCATION DEPARTMENT The 8th December, 1988

No. 3/29/86-Edu.1I(2).=The Governor of Haryana is pleased to setup an independent Directorate of Primary Education out of the Directorate of School Education with immediate effect. The name of the Directorate of School Education will now be termed as Directorate of Secondary Education. The Heads of these Directorates will be designated as under:—

- (1) Director of Primary Education Department,
- (2) Director of Secondary Education Department for all intents and purposes.

KIRAN AGGARWAL,

Commissioner & Secretary to Government, Haryana, Education Department,